• वास्तु...

घर के मुख्य द्वार पर रखें ये पौधा

धर्म शास्त्रों में पेड़ पौधों का बहुत महत्व बताया गया है। मनी प्लांट और तुलसी समेत कई पेड़ पौधों को बहुत शुभ माना गया है। धर्म शास्त्रों और वास्तु शास्त्र के अनुसार, पेड़ पौधे लगाने से घर का माहौल खुशनुमा रहता है। वातावरण में शुद्धता रहती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कई पेड़ पौधे घर की आर्थिक उन्नति में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

आज हम आपको ऐसे ही एक बहुत शुभ पौधे के बारे में बताने जा रहे हैं। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, ये पौधा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे घर के मुख्य द्वार पर रखने से नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और शांति का माहौल बनता है। घर में सुख-सौभाग्य आता है, तो आइए जानते हैं इस पौधे के बारे में...

▶ **रबर ट्री**-हम जिस पौधे की बात कर हैं उसका नाम है रबर ट्री। इस पौधे को फिकस इलास्टिका भी

कहा जाता है। इसमें न तो फूल होते हैं और न ही देखभाल की कोई खास जरूरत होती है. इसलिए, कई लोग इसे घर में या अपने ऑफिस में रखते हैं। इसके पत्ते गोल और चमकीले होते हैं। इस पौधे को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

▶ **प्रमुख द्वार पर रखें**-मुख्य द्वार को 'ऊर्जा का मुख' माना जाता है, वह स्थान जहां से ऊर्जा आपके साथ प्रवेश करती है। अगर इस पौधे को घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता है, तो आर्थिक उन्नति और स्थिरता आती है। इस पौधे को रखने से घर की हवा शुद्ध होती है. ये मानसिक शांति और स्वास्थ्य सुधार में सहायक होता है। इन सबके अलावा ये पौधा वास्तु दोषों को दूर करता है और घर के रिश्तों में सुधार करने में सहायक सिद्ध होता है।

▶ **जानें दिशा और रखने के नियम**-घर में अधिक नकारात्मक ऊर्जा या वास्तु दोष हो तो रबर प्लांट को घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें। वहीं पूर्व या उत्तर दिशा में रबर प्लांट रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। बेडरूम और रसोई में रबर प्लांट नहीं रखें। इसे ऐसी जगह पर रखें जहां पर्याप्त प्रकाश आता हो। इसे सीधी धूप से बचाएं। क्योंकि अगर पौधा सूख गया, तो सूखा पौधा नकारात्मकता आ सकती है। फेंगशुई में रबर प्लांट को विशेष रूप से 'वेल्थ एट्रैक्टर' माना जाता है।

• मंदिर में...

शुभ मूर्तियां

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। वास्तु के अनुसार, घर में कुछ मूर्तियों को रखना अधिक शुभ होता है। ऐसा माना जाता है कि शुभ मूर्तियों को घर की सही दिशा में रखने से सुख-शांति और धन-समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं। अगर आप भी घर में सुख-शांति का वास चाहते हैं, तो आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि घर में किन मूर्तियों को रखने से अच्छे दिन शुरू होंगे।

▶▶ धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश की पूजा करने से साधक के जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और बिगड़े काम पूरे होते हैं। इसलिए घर में गणेश जी की मूर्ति को रखना बेहद शुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार, गणपति बप्पा की मूर्ति को उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। इससे सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और सभी कामों में सफलता मिलती है।

▶▶ **लाफिंग बुद्धा**-इसके अलावा घर में लाफिंग बुद्धा की मूर्ति को जरूर रखना चाहिए। इससे धन और सौभाग्य में अधिक वृद्धि होती है। इस मूर्ति को घर के अंदर प्रवेश द्वार के सामने रखनी चाहिए, जिससे घर में आने पर व्यक्ति की नजर लाफिंग बुद्धा पर पड़े।

▶▶ **राधा-कृष्ण की मूर्ति**-घर में भगवान श्री कृष्ण और श्री राधा रानी की मूर्ति को रखना शुभ माना जाता है। इससे दांपत्य जीवन में मधुरता आती है। पति-पत्नी के रिश्ते मजबूत होते हैं। प्रभु की मूर्ति को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।

▶▶ **कामधेनु गाय**-वास्तु के अनुसार, घर में कामधेनु गाय की मूर्ति को रखने से परिवार के लोगों का प्रेम और स्वास्थ्य बेहतर रहता है। नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथ ही आर्थिक स्थिरता बनी रहती है। कामधेनु गाय की मूर्ति को घर में रखने के लिए उत्तर-पूर्व दिशा को शुभ माना जाता है। इससे सभी इच्छाएं जल्द पूरी होती हैं।

▶▶ **हाथियों का जोड़ा**-वास्तु के अनुसार, घर में हाथियों का जोड़ा की मूर्ति को रखने से सौभाग्य, साहस और बुद्धि में अपार वृद्धि होती है। इसे घर के मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ रखने शुभ माना जाता है। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

▶▶ एक बात का विशेष ध्यान रखें कि घर में कोई भी टूटी हुई मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि खंडित मूर्ति को रखने से जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और अशुभ फल की प्राप्ति होती है।

तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े रहस्य

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भगवान श्री वेंकटेश्वर अपनी पत्नी पद्मावती के साथ तिरुमला में निवास करते हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से भगवान वेंकटेश्वर के सामने प्रार्थना करते हैं, उनकी सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं।

भक्त अपनी श्रद्धा के मुताबिक, यहां आकर तिरुपति मंदिर में अपने बाल दान करते हैं। इस अलौकिक और चमत्कारिक मंदिर से कई रहस्य जुड़े हुए हैं...

तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के रूप में एक दिव्य लड्डू भक्तों को प्रदान किया जाता है, जो मंदिर की पवित्र रसोई में बनाया जाता है। इसे 'पोटू' कहा जाता है। इस प्रसाद के बिना बालाजी के दर्शन अधूरे माने जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिव्य प्रसाद की परंपरा 200 साल पुरानी है। ये खास लड्डू मंदिर में ही तैयार किए जाते हैं, जिसे बनाने का अधिकार सिर्फ मंदिर को ही प्राप्त है।

ऐसा कहा जाता है कि भगवान बालाजी के बाल असली हैं, क्योंकि उनके बाल सदैव दोषरहित रहते हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं। साथ ही भगवान वेंकटेश्वर की प्रतिमा के पीछे समुद्र की लहरों की आवाजें भी सुनी जा सकती हैं, जिसके पीछे का रहस्य किसी को नहीं पता है। वहीं, इस धाम में एक ऐसा दीपक है, जो सदैव प्रज्वलित रहता है, लेकिन यह दीपक कब जलाया गया और किसने जलाया? इसके बारे में कोई विश्वसनीय रिकॉर्ड नहीं है। बस वहां के पुरोहितों का कहना है कि यह दीपक बहुत पहले से ही प्रज्वलित हैं और सदैव जलता रहेगा। इसके साथ ही मंदिर में बाल अर्पित करने की भी परंपरा है, जब भक्तों की कोई विशेष इच्छा पूरी हो जाती है, तो वे अपने बालों का दान करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भगवान श्री वेंकटेश्वर अपनी पत्नी पद्मावती के साथ तिरुमला में निवास करते हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से भगवान वेंकटेश्वर के सामने प्रार्थना करते हैं, उनकी सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। भक्त अपनी श्रद्धा के मुताबिक, यहां आकर तिरुपति मंदिर में अपने बाल दान करते हैं। इस अलौकिक और चमत्कारिक मंदिर से कई रहस्य जुड़े हुए हैं।

मान्यता है कि यहां भगवान खुद विराजमान हैं। जब मंदिर के गर्भ गृह में प्रवेश करेंगे, तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में है। लेकिन आप जैसे ही गर्भगृह के बाहर आएंगे तो चौंक जाएंगे, क्योंकि बाहर आकर ऐसा प्रतीत होता है कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है। अब यह सिर्फ भ्रम है या कोई भगवान का चमत्कार इसका पता आज तक कोई नहीं लगा पाया है।

मान्यता है कि भगवान के इस रूप में मां लक्ष्मी भी समाहित हैं, जिसकी वजह से श्री वेंकेटेश्वर स्वामी को स्त्री और पुरुष दोनों के वस्त्र पहनाने की परम्परा है। तिरुपति बाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की प्रतिमा अलौकिक है। यह विशेष पत्थर से बनी है। यह प्रतिमा इतनी जीवंत है कि ऐसा प्रतीत होता है जैसे भगवान विष्णु स्वयं यहां विराजमान हैं। भगवान की प्रतिमा को पसीना आता है, पसीने की बूंदें देखी जा सकती हैं। इसलिए मंदिर में तापमान कम रखा जाता है।

तिरुपति बाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की प्रतिमा अलौकिक है। यह विशेष पत्थर से बनी है। यह प्रतिमा इतनी जीवंत है कि ऐसा प्रतीत होता है जैसे भगवान विष्णु स्वयं यहां विराजमान हैं। भगवान की प्रतिमा को पसीना आता है, पसीने की बूंदें देखी जा सकती हैं। इसलिए मंदिर में तापमान कम रखा जाता है। श्री वेंकेटेश्वर स्वामी के मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर एक गांव है जहां गांव वालों के अलावा कोई बाहरी व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकता। इस गांव लोग बहुत ही अनुशासित हैं और नियमों का पालन कर जीवन व्यतीत करते हैं।

मंदिर में चढ़ाया जाने वाला पदार्थ जैसे की फूल, फल, दही, घी, दूध, मक्खन आदि इसी गांव से आते हैं। गुरुवार को भगवान वेंकेटेश्वर को चंदन का लेप लगाया जाता है, जिसके बाद अद्भुत रहस्य सामने आता है। भगवान का शृंगार हटाकर स्नान कराकर चंदन का लेप लगाया जाता है और जब इस लेप को हटाया जाता है तो भगवान वेंकेटेश्वर के हृदय में माता लक्ष्मी जी की आकृति दिखाई देती है। श्री वेंकेटेश्वर स्वामी मंदिर में एक दीया हमेशा जलता रहता है और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। यहां तक कि यह भी पता नहीं है कि दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था।

भगवान वेंकेटेश्वर की प्रतिमा पर पचाई कपूर लगाया जाता है। कहा जाता है कि यह कपूर किसी भी पत्थर पर लगाया जाता है तो पत्थर में कुछ समय में दरारें पड़ जाती हैं। लेकिन भगवान बालाजी की प्रतिमा पर पचाई कपूर का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

■ पं. नित्यानंद

• संकेत...

नकारात्मक ऊर्जा

जब भी व्यक्ति के आसपास या उसके घर में कोई नकारात्मक ऊर्जा वास कर रही होती है, तो उसको घर में प्रवेश करते ही कुछ संकेत मिलते हैं। आज इन्हीं संकेतों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। घर की दहलीज में कदम रखते ही डर लगने लगता है, तो ये नकारात्मकता का संकेत माना जाता है। अगर ऐसी स्थिति बनती है, तो व्यक्ति को अपनी कुंडली दिखवानी चाहिए। साथ ही वास्तु शास्त्र के जानकारों से भी सलाह लेनी चाहिए। अगर घर में प्रवेश करते ही कोई आसपास महसूस होता है या हल्के से पुकारने की आवाज आती है, तो ये अच्छे संकेत नहीं हैं। इसका मतलब है कि गलत शक्तियों का जीवन पर प्रभाव है। अगर व्यक्ति की या उसके घर के सदस्यों की तबीयत बार-बार खराब हो रही है, तो ये भी नकारात्मकता का संकेत माना जाता है। इसका कारण कुंडली में राहु-केतु या शनि का बुरा प्रभाव हो सकता है। घर में प्रवेश करने के बाद अगर वस्तुएं अपनी जगह पर न दिखाई दें तो व्यक्ति को समझ लेना चाहिए कि उसके जीवन को नकारात्मक उर्जा प्रभावित कर रही है।

• तुलसी...

अगर आप घर में तुलसी लगाना चाहते हैं, तो इसके लिए गुरुवार का दिन शुभ माना जाता है, क्योंकि यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गुरुवार के दिन तुलसी लगाने से परिवार के सदस्यों को जगत के पालनहार भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही घर में सुख-शांति बनी रहती है। इसके अलावा तुलसी लगाने के लिए शुक्रवार का दिन शुभ माना जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/संपादकः अनल पत्रवाल द्वारा गांव व डाकघर-रजियाणा, तहसील-नगरोटा बगवां, जिला-कांगड़ा-176056, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सेक्टर-6, नोएडा-201301, गौत्तम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित